चरित्र पराग

चरित्र पराग

परमसन्त ठाकुर साहिब श्री रामसिंहजी
के विलक्षण जीवन की एक झलक
एवं
उनके श्रीमुख से निःसृत
दिव्य-वाणी

राम समाधि आश्रम
मनोहरपुरा (जगतपुरा), जयपुर

प्रकाशक :

राम समाधि आश्रम

मनोहरपुरा (जगतपुरा), जयपुर

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

प्रथम संस्करण - 2008

द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण - 2012

मूल्य : ₹ 15.00

प्राप्ति स्थान :

राम समाधि आश्रम

मनोहरपुरा (जगतपुरा), जयपुर

मो. 94616-00003, 99820-76750

98282-69273

कम्प्यूटर टाईप सेटिंग व प्रिंटिंग :

इन्टरनेशलन स्कूल ऑफ एस्ट्रोलॉजी एण्ड डिवाइन साईंसेज़

(प्रकाशन विभाग)

'रामाश्रम' 3/18, मालवीय नगर, जयपुर-302 017

फोन : 0141-2521849 • मो.: 94134 44188

Web : www.astrologynspiritualism.com

अनुक्रमणिका

क्रम	प्रसंग	विवरण	पृष्ठ
1.	जीवन दर्शन		
		अभिनव महामानव	1
		बाह्य स्वरूप	3
		आदर्श जीवन	4
		सहज सरलता एवं विनम्रता	5
		सत्य निष्ठा एवं कर्मठता	7
		निःस्पृह निरपेक्ष जीवन	10
		कृतज्ञता एवं अहोभाव	11
		दिव्य-प्रेम वर्षा	13
		आन्तरिक जागरण	15
		अनुपम-समर्पण	17
2.	श्रद्धाञ्जली		20
		ठाकुर साहिब के प्रति कुछ भक्तों के भावोद्‌गार	
3.	पावन प्रसंग		26
		ठाकुर-प्रभु द्वारा प्रेमी भक्तों को कहे आप्त वचन एवं प्रेरक प्रसंग	
4.	साधना - सूत्र		56
		ठाकुर-प्रभु के मुखारबिन्द से निःसृत कुछ आध्यात्मिक संकेत	
5.	पदावली		69
		ठाकुर-प्रभु के दरबार में सुनाये गये कुछ पद एवं शेअर'ओ-शायरी	
6.	भजनाञ्जली		77
		ठाकुर-प्रभु के समक्ष प्रेषित कुछ भजन	
7.	सरल साधना		91